SHRI NARAYAN ALIAS BHULAI BHAI (POSTHUMOUS)

Shri Narayan alias Bhulai Bhai was a dedicated leader, social worker, and politician who served as a Member of the Legislative Assembly (MLA) and a Member of the Legislative Council, Uttar Pradesh. He was widely recognized for his contributions to public welfare at grassroots leadership. His efforts in rural development, political activism, and social service earned him immense respect among the people. He played a significant role in the upliftment of the Scheduled Caste (Dhobi community) and worked towards ensuring social justice and empowerment for the marginalized sections of society.

2. Born on 1st November, 1914, Shri Narayan alias Bhulai Bhai belonged to a humble family in Pagar Chhapra, Kushinagar, Uttar Pradesh. He completed his MA. and M.Ed. and later served as a Basic Education Officer before resigning to dedicate himself entirely to social and political service. His wife was also a strong leader who served as Village Head for five terms.

3. Shri Narayan alias Bhulai Bhai's political journey began at the grassroots level, where he first served as Village Head before being elected as a Member of the Legislative Assembly (MLA) from 1974- 1977 and 1977-1980. He later became a Member of the Legislative Council. Throughout his career, he actively worked for rural development, education, and social justice. He played a major role in BJP and Jansangh, where he contributed significantly to party-building efforts, public welfare policies, and socio-political movements.

4. Shri Narayan alias Bhulai Bhai actively participated in various political and social struggles, including the 1962 Bikal Flood Crisis, where he prevented the submergence of an entire Vidhan Sabha by strategically cutting soil under the railway track. He was also imprisoned during the Emergency in 1970, jailed in Deoria in 1990 for participating in the Ram Janmabhoomi movement, and again in 1991 during the Farmers' Movement. He played an active role in the 1992 Ram Janmabhoomi movement, advocating for the construction of the Ram Temple.

5. During his association with Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS), Shri Narayan alias Bhulai Bhai had the opportunity to work closely with Shri Atal Bihari Vajpayee Ji. He contributed to editing and distributing newspapers like Tarun Bharat, Panchajanya, and Organiser to spread nationalistic ideologies. He also had a close association with Pandit Deen Dayal Upadhyaya, who gave him the affectionate name "Bhulai (Brother)".

6. Shri Narayan alias Bhulai Bhai Passed away on 31st October, 2024.

श्री नारायण उर्फ भुलई भाई (मरणोपरांत)

श्री नारायण उर्फ भुलई भाई एक समर्पित नेता, सामाजिक कार्यकर्ता और राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य (एमएलए) और विधान परिषद के सदस्य के रूप में कार्य किया। वह जमीनी स्तर पर नेतृत्व में जन कल्याण में उनके योगदान के लिए सुप्रसिद्ध थे। ग्रामीण विकास, राजनीतिक सक्रियता और सामाजिक सेवा में उनके प्रयासों ने उन्हें लोगों के बीच भरपूर सम्मान दिलाया। उन्होंने अनुसूचित जाति (धोबी समुदाय) के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और समाज के पिछड़े वर्गों के लिए सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण सुनिश्चित करने की दिशा में काम किया।

2. 1 नवंबर, 1914 को उत्तर प्रदेश के कुशीनगर के पगर छपरा के एक साधारण परिवार में जन्मे, श्री नारायण उर्फ भुलई भाई ने एमए और एमएड की पढ़ाई पूरी की और बाद में स्वयं को पूरी तरह से सामाजिक और राजनीतिक सेवा के प्रति समर्पित करने के लिए उन्होंने मौलिक शिक्षा अधिकारी के पद से त्यागपत्र दे दिया। उनकी पत्नी भी एक मजबूत नेता थीं, जिन्होंने पांच कार्यकाल तक ग्राम प्रधान के रूप में कार्य किया।

3. श्री नारायण उर्फ भुलई भाई की राजनीतिक यात्रा जमीनी स्तर से शुरू हुई, जहाँ उन्होंने 1974–1977 और 1977–1980 में विधान सभा के सदस्य (एमएलए) के रूप में निर्वाचित होने से पहले ग्राम प्रधान के रूप में कार्य किया। बाद में वे विधान परिषद के सदस्य बन गए। अपने पूरे करियर के दौरान, उन्होंने ग्रामीण विकास, शिक्षा और सामाजिक न्याय के लिए सक्रिय कार्य किया। उन्होंने भाजपा और जनसंघ में प्रमुख भूमिका निभाई, जहाँ उन्होंने पार्टी–निर्माण प्रयासों, जन कल्याण नीतियों और सामाजिक–राजनीतिक आंदोलनों में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

4. श्री नारायण उर्फ भुलई भाई ने विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक संघर्षों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिनमें वर्ष 1962 का बिकल बाढ़ संकट भी शामिल है, जब उन्होंने रेलवे ट्रैक के नीचे मिट्टी काटकर पूरी विधानसभा को डूबने से बचाया था। वर्ष 1970 में आपातकाल के दौरान उन्हें जेल में भी डाला गया, वर्ष 1990 में राम जन्मभूमि आंदोलन में भाग लेने के लिए देवरिया में जेल में डाला गया और फिर वर्ष 1991 में किसान आंदोलन के दौरान भी उन्हें जेल में बंद किया गया। उन्होंने वर्ष 1992 के राम जन्मभूमि आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई और राम मंदिर निर्माण का समर्थन किया।

5. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) में रहते हुए श्री नारायण उर्फ भुलई भाई को श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिला। उन्होंने राष्ट्रवादी विचारधाराओं के प्रचार–प्रसार के लिए तरुण भारत, पंचजन्य और ऑर्गनाइजर जैसे अखबारों के संपादन और वितरण में योगदान दिया। पंडित दीन दयाल उपाध्याय के साथ भी उनका घनिष्ठ संबंध था, जिन्होंने उन्हें प्यार से "भुलई (भाई)" नाम दिया था।

6. 31 अक्टूबर, 2024 को श्री नारायण उर्फ भुलई भाई का निधन हो गया ।